भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह

प्रलिम्सि के लयि:

UNMOGIP, यूएनएससी, यूएनसीआईपी, कराची समझौता, शमिला समझौता।

मेन्स के लयि:

UNMOGIP पर ववािद का मुद्दा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासचवि ने अर्जेंटीना के **रयिर एडमरिल गुइलेर्मो पाब्लो रयिोस** को **भारत और पाकस्तान** में **संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (UNMOGIP)** के मशिन प्रमुख और मुख्य सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में नयिुक्त कयिा है।

संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (UNMOGIP):

- इसकी स्थापना जनवरी 1949 में हुई थी।
- कश्मीर में प्रथम युद्ध (1947-1948) के बाद, भारत ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों का ध्यान आकर्षति करने के लयि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषिद (UNSC) से संपर्क कयिा।
- इसी क्रम में जनवरी 1948 में, UNSC ने ववािद की जाँच और मध्यस्थता हेतु भारत और पाकस्तान (UNCIP) के लयि तीन सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र आयोग की स्थापना करते हुए, **संकल्प 39** को अपनाया।
- अप्रैल 1948 में, इसके **संकल्प 47** द्वारा, UNCIP को UNMOGIP के रूप में पुनर्गठति कयिा गया था।

संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह के कार्य:

- जुलाई 1949 के **कराची समझौते** ने संयुक्त राष्ट्र स्तर के **सैन्य पर्यवेक्षकों की भूमकिा को मज़बूत कयिा** और जम्मू और कश्मीर में स्थापति युद्धवरिाम रेखा के पर्यवेक्षण की अनुमतिदी।
  - वर्ष 1948 में UNCIP की देखरेख में **पहले भारत-पाक सशस्त्र संघर्ष** के बाद, पाकस्तान और भारत दोनों के सैन्य प्रतनिधियिों ने कराची में मुलाकात की और 27 जुलाई 1949 को कराची समझौते पर हस्ताक्षर कयि।
  - इसने कश्मीर में एक **संघर्ष-वरिाम रेखा (CFL)** की स्थापना की।
- युद्धवरिाम की नगिरानी हेतु UNMOGIP के **पाकस्तान प्रशासति कश्मीर (PAK)** में छह फील्ड स्टेशन और **भारतीय प्रशासति कश्मीर (IAK)** में चार फील्ड स्टेशन हैं।
- UNMOGIP 17 दसिंबर, 1971 के युद्धवरिाम समझौते के सख्त पालन से संबंधति घटनाओं का नरीिक्षण करने और संयुक्त राष्ट्र महासचवि को रपिोर्ट करने के लयि इस क्षेत्र में बना हुआ है।

UNMOGIP भारत के लयि ववािदास्पद

- भारत आधकिारकि तौर पर कहता है कि UNMOGIP की भूमकिा वर्ष 1972 के शमिला समझौते से आगे नकिल गई है जसिने नयिंत्रण रेखा (LoC) की स्थापना की थी।
  - शमिला समझौते में भारत और पाकस्तान युद्धवरिाम रेखा को नयिंत्रति करने और कसिी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के बनिा अपने ववािदों को द्वपिक्षीय रूप से हल करने के लयि सहमत हुए।
  - कश्मीर और पाकस्तान प्रायोजति आतंकवाद अब काफी हद तक भारत का आंतरकि मामला है।
- वर्ष 1972 के बाद से भारत पाकस्तान के खलिाफ शकियतों के साथ UNMOGIP में नहीं गया है।
- वर्ष 2014 में भारत ने अनुरोध कयिा कि UNMOGIP कश्मीर में संचालन बंद कर दे और वदिश मंत्रालय (MEA) ने वर्ष 2017 में दोहराया कि UNMOGIP के पास कश्मीर की स्थतिकी नगिरानी करने का कोई अधकिार नहीं है।

- दूसरी ओर पाकिस्तान भारतीय तर्क को स्वीकार नहीं करता है और UNMOGIP से सहयोग चाहता है।
- इन भिन्न नीतियों के परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने UNMOGIP के पास कथित भारतीय संघर्ष विराम उल्लंघनों के खिलाफ शिकायतें दर्ज करना जारी रखा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 47

- **परिचय:**
    - यह कश्मीर विवाद के समाधान से संबंधित है।
    - इसके अनुसार, पाकिस्तान को अपने उन नागरिकों को वापस लेना था जो लड़ाई के उद्देश्य से और भविष्य में घुसपैठ को रोकने के लिये राज्य में प्रवेश कर चुके थे।
    - इस प्रस्ताव के माध्यम से पुनर्गठित पाँच सदस्यीय UNMOGIP ने भारत और पाकिस्तान से कानून व्यवस्था की बहाली के बाद जनमत संग्रह कराने का आग्रह किया।
    - भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (UNMOGIP) का उद्देश्य कराची समझौते के तहत जुलाई 1949 में जम्मू-कश्मीर में स्थापित संघर्ष विराम रेखा (CFL) की निगरानी करना था।
    - UNMOGIP को UN के नियमित बजट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।
- **भारत ने प्रस्ताव 47 को नकार दिया।**
    - भारत का तर्क था कि प्रस्ताव में पाकिस्तान द्वारा किये गए सैन्य आक्रमण को नज़रअंदाज़ किया गया, साथ ही दोनों देशों को एक समान राजनयिक आधार पर रखना पाकिस्तान के आक्रामक रवैये को खारिज़ करता है।
    - कश्मीर के महाराजा द्वारा हस्ताक्षरित विलय पत्र (IoA) को प्रस्ताव में नज़रअंदाज कर दिया गया था।
- **संकल्प 47 पर पाकिस्तान का रुख:**
    - इसने कश्मीर में भारतीय बलों की न्यूनतम उपस्थिति पर भी आपत्ति जताई, जैसा कि संकल्प द्वारा अनिवार्य है।
    - यह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में प्रभावी पार्टी के लिये राज्य सरकार में समान प्रतिनिधित्व चाहता था।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/un-military-observer-group-in-india-and-pakistan